हिन्दी प्रेस क्लब

प्रवाह

चुनाव विशेषांक 2023-24

हिंदी प्रेस क्लब

संपादकीय

चंद्रयान 3 की सफल लैंडिंग के बाद भारत ने अंतरिक्ष की दुनिया में एक नया मुकाम पाया है। यह सारे भारतीय और ISRO के वैज्ञानिकों के लिए गर्व का क्षण है और हो भी क्यूँ ना? चंद्रयान 3 की सफल लैंडिंग के बाद भारत दुनिया का पहला और इकलौता देश बन चूका है, जिसने चाँद के दक्षिणी ध्रुव पर सफल लैंडिंग की है। एक तरफ़ जहाँ ISRO के वैज्ञानिक अपनी सालों की मेहनत का जश्न मना रहे हैं, तो दूसरी ओर इस पर देश के शुभचिंतक कहलाने वाले हमारे नेता प्रतिनिधि, अपनी राजनीतिक रोटियाँ सेकने से बाज़ नही आ रहे हैं। और यह सब दिन प्रतिदिन बढ़ते जायेंगे, आखिर मई 2024 में आम चुनाव जो है। खैर, बिट्स में स्टूडेंट यूनियन 2023 का चुनाव अगले दो दिनों में होने वाला है और इस बार कैम्पस का राजनीतिक माहौल भी दिलचस्प है।

इन सभी को देखकर मुझे श्री हरिशंकर परसाई जी की लिखी कहानी 'भेड़ और भेड़िये' का स्मरण होता है, जहाँ कैसे उस चालाक भेड़िये ने अपनी भोलेपन का मुखौटा पहनकर भोली भाली भेड़ों को मूर्ख बनाया और जंगल में एक शेर को प्रधानमंत्री बना दिया। कहानी के अंत में जंगल के कानून का निर्धारण अपने फायदे के लिए था और इसमें भेड़ों का सिर्फ शोषण हो रहा था। इस बार भी प्रत्येक उम्मीदवार अपने घोषणा पत्र में कैम्पस की हर समस्या को सुलझाने को लेकर नई पहलों की बात कर रहे हैं। पर इसमें कितनी बातें आखिर में सच होने वाली है और कौन कितना उस भेड़िये का मुखौटा पहन घूम रहा है, यह तो आने वाला समय ही बता पायेगा। इन सब में एक चीज़ समान है, हम बिट्सियन जो भेड़ों की तरह सिर्फ अपने आने वाले उम्मीदवार में समस्याओं का समाधान देख रहे हैं। दुःख तो इस बात का लगता है कि जब शासन में आये लोग अपने वादों को सिर्फ कागजों तक सीमित रखते हैं और वो हकीकत क्या, पहल से भी दूर रह जाता है।

चुनाव और वादों के बीच उम्मीदवार और उनके समर्थक विजयी होने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा रहे हैं। पर कभी आपने देखा है कि चुनाव हमेशा सरल और सहज ढंग से समाप्त हो जाये ? कुछ उम्मीदवार ज़ोर तो लगा रहे हैं पर नियमों को अनदेखा भी कर रहे हैं और कुछ राजनीतिक खींचातानी में भी हैं। वैसे आप सोच रहे होंगे कि बिट्स का चुनाव आयोग किधर है? क्या आपको लगता है चुनाव आयोग यह सब पर शांत रहेगा। पारदर्शी और सफल चुनाव के लिए चुनाव आयोग ने किसी का वोट प्रतिशत कम करा है और किसी का प्रचार समय पर रोक लगा दी है। यहाँ तक की इस बार उन्होंने सभी उमीदवारों के घोषणापत्र को भी अपने निरिक्षण में लिया है। जो भी हो, चुनाव और चुनाव आयोग एक सिक्के के दो पहलु ही हैं।

चुनावी माहौल जैसा भी रहे और नतीजे जो भी हो, इससे कई ज़्यादा मायने चुनाव के बाद आने वाले वादों की हकीकत है। 'यथा पुरुष, तथा राज्य' यानी राजा के चरित्र और गुण उसकी प्रजा के कल्याण और मार्गदर्शन को निर्धारित करती है। अपने सही प्रतिनिध्व का चुनाव करने की ज़िम्मेदारी मतदता के पास ही होती है। इसी आशा और उम्मीद के साथ हिंदी प्रेस क्लब आपके समक्ष प्रस्तुत करता है 'चुनाव विशेषांक' जिसमें आपको सारे उम्मीदवारों के विचारों और चुनावी माहौल को समझने का एक नया नज़रिया मिलेगा। उम्मीद यह है कि आप अपना मूल्यवान वोट उम्मीदवारों को सोच समझकर देंगे। धन्यवाद!

स्टूडेंट यूनियन के अध्यक्ष आशीर्वाद करांडे से साक्षात्कार

आशीर्वाद करांडे

प्रश्न 1 : कृपया कुछ शब्दों में अपना परिचय दीजिए।
उत्तर : मेरा नाम आशिर्वाद करांडे है, मैं चौथे वर्ष में हूँ। मेरी ब्रांच M.Sc. Biology और EEE है। प्रथम वर्ष से ही मैं छात्र संघ सचिव पद के उम्मीदवार कमल चौहान से साक्षात्कार का हिस्सा रहा हूँ और मैं बिट्स एम्ब्रियो का भी हिस्सा था।

प्रश्न 2: चुनाव लड़ने का फैसला आपने कब और कैसे किया ? आपको अपने दोस्तों से क्या मदद मिली ?
उत्तर : मैं कभी भी पढ़ाकू कीड़ा नही था। मुझे बचपन से ही ऐसी चीज़ें करने में रुचि थी जिससे कुछ सामाजिक लाभ हो और मूल्य सृजन हो। कॉलेज के प्रथम वर्ष में मैनें भिन्न क्षेत्रों में थोड़ा बहुत काम किया और कुछ Internships की जिससे मुझे अपनी रुचियों को और अच्छे से जानने का मौका मिला। द्वितीय वर्ष में काफ़ी जाँच पड़ताल करने के बाद महसूस होने लगा कि यदि कैम्पस पर कुछ मूल्य सृजित करना है और बदलाव लाना है तो उसके लिए छात्र संघ सबसे बेहतरीन संस्थान है। द्वितीय वर्ष के अंत तक मैंने छात्र संघ में बहुत काम कर लिया था और तब तक मैंने मन बना लिया था कि अध्यक्ष पद के लिए चुनाव लड़ूँगा। अपने दोस्तों, जूनियर्स, और सीनियर्स सभी से मुझे बहुत सहयोग मिला।

प्रश्न 3 : आपके कार्यकाल में आपका अध्यक्ष के तौर पर अनुभव कैसा रहा ?
उत्तर : मेरे कार्यकाल के बारे में मेरी मिली-जुली भावनाएं हैं। लोगों के मन में छात्रसंघ की एक बुरी छवि थी जिसको ठीक करने की हमने बहुत कोशिश की। मेरे कार्यकाल में मैं बहुत से काम करवा पाया लेकिन नई-नई समस्याएं उभर के आती रहती थी जिन पर काम करना थोड़ा कठिन हो जाता था। हमें कभी नही पता होता था कि हम लोगों को आने वाले समय में क्या समस्याएँ सुलझानी पड़ेंगी।

प्रश्न 4 : आने वाले अध्यक्ष से आपको क्या उम्मीदें है? क्या कुछ ऐसे मसले हैं जो कि आप हल नही कर पाए और चाहते हैं कि अगला अध्यक्ष उन पर काम करे?
उत्तर : ऐसी कुछ पहलें हैं जिन पर हमने इस कार्यकाल में बहुत काम किया है। मैं चाहूँगा कि उन पर आने वाला अध्यक्ष काम करे, जैसे कि कैम्पस में नए भोजनालय खुलवाना, Salon के अन्य विकल्प (इस कार्यकाल में हमने LAKME से बातचीत की है), इत्यादि। मैं आशा करता हूँ कि नया अध्यक्ष ज़्यादा से ज़्यादा लोगों को साथ में लेकर चले, लोगों के लिए उपलब्ध हो और अनुकूल रहे।

प्रश्न 5 : अध्यक्ष की मुख्य जिम्मेदारियाँ एवं कार्य क्या होते हैं? कृपया बताइये ताकि GBM और वोटर्स को सही उम्मीदवार चुनने में मदद मिले।
उत्तर : अध्यक्ष कॉलेज के चेहरे की तरह होता है और यदि वह बुद्धिमान और दूरदर्शी हो, तो दुनिया की नज़रों में बिट्सियन की भी वैसे ही छवि सामने आती है। और जब बात आती है सही उम्मीदवार चुनने की, तो इतना तो मुझे बिट्स के विद्यार्थियों पर भरोसा है कि किसी लालच में आकर गलत उम्मीदवार को नही चुनेंगें। GBM को देखना चाहिए कि उम्मीदवारों में से किसने छात्रसंघ या छात्रों द्वारा संचालित किसी और कमेटी में पहले से क्या काम किया है। उदाहरण के तौर पर, SU द्वारा आयोजित लीडरशिप कॉन्क्लेव में भी केवल दो उम्मीदवारों ने ही अपनी हाज़िरी लगायी थी। और उन्होंने इसे आयोजित करवाने में भी अहम भागीदारी निभाई थी।

प्रश्न 6 : क्या इस साल के चुनाव में कुछ बदलाव हैं ? यदि हाँ, तो क्या वे अच्छे हैं या नही ?
उत्तर : इस साल चुनाव में मुझे अधिक लोगों की रुचि और भागेदारी देखने को मिली। वैसे तो यह अच्छा बदलाव है परन्तु यह भी हो सकता है कि लोग केवल इस पद के लाभों से आकर्षित होकर चुनाव में भागीदारी दर्शा रहे हों। तो यह बदलाव अच्छा है या बुरा, ये हमें समय के साथ ही पता चल पायेगा।

प्रश्न 7 : आपका कार्यकाल समाप्त होने पर आपने जिन लोगों, विद्यार्थियों, प्रशासन एवं कमेटियों के साथ काम किया, उन्हें क्या सन्देश देना चाहेंगे?
उत्तर : मैं पूरे GBM को एक ई-मेल भेजूंगा। प्रशासन के लिए मैं कहना चाहूँगा कि बहुत-सी छोटी समस्याएँ हैं जिनका समाधान भी आसान है, परन्तु कॉलेज प्रशासन उन समाधानों का प्रतिरोध करता है। इन्हें सुलझाने के लिए हमारे कार्यकाल में हमने हमेशा बातचीत और कूटनीतिक रास्तों का प्रयोग किया है। छात्रसंघ के अगले शासकों को भी मैं सन्देश देना चाहूँगा कि यदि प्रशासन उनकी बात का विरोध करे तो उन्हें ठोस परन्तु कूटनीतिक तरीकों का उपयोग करना होगा।

स्टूडेंट यूनियन के महासचिव नमन जलान से साक्षात्कार

नमन जलान

प्रश्न 1:आप चुनाव में खड़े होने के लिए कैसे प्रोत्साहित हुए?आपने कैसे निर्णय लिया की आप चुनाव लड़ेंगे? महासचिव बनने के बाद आपका अनुभव कैसा रहा?

उत्तर: मैंने चुनाव लड़ने का फैसला मित्रजनों के प्रेम की वजह से लिया और बिट्स के बच्चों ने मुझे गद्दी पर बैठा दिया। इसी कारण से मैं SU से बहुत ज़्यादा परिचित नही था, समय के साथ-साथ मैं इस कुर्सी के हिसाब से ढल गया। सबसे पहले हमने OASIS संभाला जिसमे उनसे कुछ गलतियाँ हुई जिन्हें सुधारते हुए APOGEE में काम किया। हमने मुख्य तौर पर बिलिंग प्रणाली पर काम किया जिसमे बहुत खामियाँ थी जिन्हे सुधारने का प्रयास किया गया। हमने केम्पस पर एक उत्साहपूर्ण माहौल बनाये रखने के लिए "दिवाली पार्टी" जैसे कदम उठाये, ताकि कॉलेज में ही रुके हुए छात्रों को घर-परिवार की कमी महसूस ना हो। BGM को हमारे कार्यकाल का एक यादगार अनुभव रहा। पुराने वर्षो में SU अध्यक्ष रहे लोगों से जानने को मिला की प्रशासनिक ज्ञान, निर्णायिक विवेक और लोगों से बात करना जीवन में कितना काम आता है।

प्रश्न 2: आपके अनुसार SU क्या है और आप इससे क्या समझते है?

उत्तर: SU एक ऐसी संस्था है जो सारे बच्चे मिल कर बनाते है। छात्र जीवन में पढाई के साथ चल रही घटनाओं में SU की थोड़ी भागीदारी होती है और इन क्षेत्रो में बच्चों का विकास करवाना SU का फ़र्ज़ है।

प्रश्न 3: वर्तमान में SU को लेकर कुछ अलग अवधारणाए बन चुकी हैं। इनके बारे में आप सबको क्या समझाना चाहेंगे ?

उत्तर: बच्चों में ऐसी अवधारणा दिखती है की अध्यक्ष और महासचिव सिर्फ फेस्ट में कलाकार को लेकर निर्णय लेते हैं जो की गलत है। हमे बिट्स में एक मुश्किल का सामना करना पडा कि कुछ भी लागू कराने से पहले हमे प्रशासन के कई स्तरों पर बात करनी पडती थी। पूरे किये गए वादों के साथ ज़रूरी होता है ये समझना की उन्हें पूरा करने में कितनी मेहनत लगी थी। मेरे अनुसार ये पद एक वर्ष में ही इतनी चीजे सिखा जाता है जो शायद एक नौकरी 4-5 वर्षो में सिखाएगी। कई बार SU से जुड़े हुए लोगों को बुरी नज़र से देखा जाता है लेकिन इतने सारे बच्चों से हटकर कुछ करना तारीफ़-ए- काबिल है। करोड़ो का बजट आपको बहुत अच्छे से वित्तीय प्रबंधन सिखा कर जाता है कि बड़े स्तर पर कैसे निर्णय लिए जाते है।

प्रश्न 4: आप कॉलेज के सभी छात्रों को क्या सन्देश देना चाहेंगे?

उत्तर: मेरा यह सन्देश है कि ऐसा कोई भी काम नही करना चाहिए जिससे कॉलेज का माहौल खराब हो। उम्मीदवारों को उनके किये गए कार्यो, उनकी सोच और विचारधारा को दिमाग में रख कर वोट करना चाहिए। मेरा मानना है कि चुनाव जीतना बस 5 प्रतिशत काम है, जीतने के बाद 95 प्रतिशत बाकी होता है। E-Cycle लाने पर काम किया गया था, जिसके प्रमाण रखे हुए है, लेकिन वो पूरा नही हो पाया। आगे चुने जाने वाले SU से वो उम्मीद करते हैं कि वे इस अधूरे कार्य को पूरा करे। EC अपना काम अच्छे से कर रही है और मुझे पूरा भरोसा है कि चुनाव के दौरान सब कुछ निष्पक्ष तरीके से होगा।

प्रश्न 5: हाल ही में आये फर्स्ट इयर के छात्रों से आप क्या कहना चाहेंगे?

उत्तर: नए छात्रों से यही कहना चाहता हूँ कि आप, सबके वादों को देखिये और जो आपको अच्छा लगे उसे बिना डरे, सोच-समझ कर वोट दें। सारे उमीदवारो से बात करें और उन्हें अच्छे से जानने की कोशिश करें।

प्रश्न 6: निश्चित ही कुछ लोग इस चुनाव में हार जाएँगे जिससे उन्हें बहुत ठेस पहुँचेगी। आप उन सबको क्या कहना चाहते हैं?

उत्तर: जो उमीदवार इस चुनाव में हारने वाले है उनसे मैं कहना चाहता हूँ कि चुनाव में खड़े होना ही अपने आप में बड़ी बात है। 1000 में से 4 लोगों में रहना निश्चित ही प्रशंसनीय है। यह चुनाव आपको बहुत कुछ सिखा कर जाएगा जैसे लोगों से बात करना, अपनी बात समझाना। सारे ही उमीदवार बिट्स में एक बदलाव लाने का जज़्बा रखते हैं और जीतने वाले उम्मीदवार को ना जीतने वालों के साथ पूरे छात्र समुदाय को बेहतर बनाने के लिए एक साथ काम करना चाहिए।

एसोसिएट डीन प्रोफ़ेसर नवीन सिंह से साक्षात्कार

प्रो नवीन सिंह

प्रश्न 1: हम सब जानते हैं कि आने वाला वर्ष काउंसिल एवं चुनाव पर कितना निर्भर करता है। उनके ज़रिए ही आगामी गतिविधियों की समय सीमा तय होती है। इन सब गतिविधियों में आप किस तरह से जुड़े हुए हैं?
उत्तर : चुनाव से आने वाले साल की गतिविधियों पर ज़्यादा फर्क नही पड़ता है क्यूंकि आने वाले साल की गतिविधियां Costaa, Stucca या Cossac भी तय करती है। परंतु उनके तौर तरीकों पर काउंसिल का भी बहुत बड़ा योगदान रहता है। मेरे विचार में अगर काउंसिल जिम्मेदार है और छात्रों की जरूरतों को समझती है तो आपकी सारी गतिविधियाँ बिना समस्याओं के साथ हों जाएँगी। प्रशासन बस फेस्ट या आदि कि तिथियों पर मंज़ूरी देता है ताकि वह अकादमिक सेल के साथ ना टकराएँ। बाकि प्रशासन का काम सिर्फ सहयोग देने का होता है परंतु हाँ, सारे काम के साथ प्रशासन का तालमेल होना ज़रुरी है।

प्रश्न 2: पिछले साल SU में काफ़ी गतिविधियाँ ऐसी हुई जिससे काफ़ी हंगामा मचा और काफ़ी कदम भी लेने पड़ें। आपको क्या लगता है, अगले उम्मीदवारों को इसे रोकने के लिए क्या करना चाहिए?
उत्तर : अगर छात्र यह समझे कि कोई भी असंवैधानिक कार्य नही किये जाएँ तो यह पुरे छात्र समुदाय के लिए ही अच्छा होता है। यह मैं इसलिए कह रहा हूँ कि अगर कोई भी असंवैधानिक गतिविधि की जाती है तो इसका भार कॉलेज पर ही आता है और अंततः छात्र समुदाय पर ही आता है। साथ ही जो भी इस पद पर आता है वो यह याद रखे कि वह जिस भी पद पर है वह स्थायी नही है और उसका कार्यकाल ज़्यादा से ज़्यादा सिर्फ 12 महीने का है और अंततः वह भी एक छात्र ही है, तो ऐसी गतिविधियाँ नही होगी।

प्रश्न 3: पिछले साल जैसा कि हमने देखा कि एक हॉस्टल को वोट डालने को नही मिला, कुछ समय के बाद क्यूंकि मतदान का समय खत्म हो चुका था, इसलिए उनके फ़ायदे का ख्याल नही रखा गया, ऐसा क्या करना चाहिए कि हर कोई वोट डालने के लिए जागरूक बने?
उत्तर : इसमें सबसे बड़ी ज़िम्मेदारी उम्मीदवारों की आती है क्यूंकि वोट उन्हें लेना है। प्रशासन एवं चुनाव आयोग का तो यह ही मकसद है कि चुनाव निष्पक्ष तरह से बिना किसी बाधा के साथ सम्पूर्ण हो जाए। हर एक वोट का फर्क उसे ही पड़ता है जो चुनाव लड़ रहा है। कोई वोटर भी तभी वोट करने जायेगा जब उसे कोई उम्मीदवार और उसके द्वारा किये गए वादे पसंद आए हों। NOTA को वोट देने जाने में कोई भी मतदाता अपना समय बर्बाद नही करेगा। अंततः उम्मीदवारों को ही GBM को प्रेरित करना चाहिए की वो समय पर जाकर अपना मत दें।

प्रश्न 4: बनने वाले SU नेताओं से आपकी क्या अपेक्षाएँ हैं?
उत्तर : मैं यह महसूस कर रहा हूँ कि शायद लोगों के पास मुद्दों की कमी है। अगर आप एक छात्र संगठन का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं तो आपको लोगों द्वारा जो दिक्कतें सही जा रही हैं वह ज्ञात होनी चाहिए। मैं यह उम्मीद करूँगा कि आने वाली छात्र समिति का ध्यान सिर्फ फेस्ट का आयोजन करने या सुविधाएँ बढ़ाने से ज़्यादा लोगों कि दिक्कतें हल करने पर हो।

प्रश्न 5: प्रचार के समय वातावरण कैसा रहता है? अगर यह माहौल बिगड़ता है तो कॉलेज प्रशासन को क्या कदम उठाने पड़ सकते हैं?
उत्तर : प्रचार के समय का वातावरण उत्साहजनक रहता है। सभी के लिए कुछ ना कुछ रहता है। अभी तक कभी ऐसी नौबत नही आई है कि माहौल इतना तनावपूर्ण हुआ हो कि हमें बड़े कदम उठाने पड़ें। पर साथ ही साथ उम्मीदवारों को यह भी समझना चाहिए कि वह सामाजिक हस्ती है तथा लोग उनके बारे में बुरा भी बोल सकते हैं और उनकी छवि को बिगाड़ने की भी कोशिस कर सकते हैं तो वही उम्मेदवार खड़ा हो जो यह सब सह सकता है।

प्रश्न 6: इस वर्ष के चुनावों में पिछले साल के चुनाव से आपको क्या बदलाव दिखे हैं?
उत्तर : कोई बदलाव नही है। मेरे विचार में तो पिछले कुछ वर्षों से कुछ बदलाव नही है। बदलाव तो तब आयेगा न जब मुद्दे बदलेंगे।

प्रश्न 7: ज़ाहिर सी बात है चुनाव में कोई हारता है तो कोई जीतता है। हारने वाले को बहुत ठेस पहुँच सकती है जिसकी वजह से उनकी जिंदगी में काफ़ी बदलाव आते हैं। आप उनको क्या सन्देश देना चाहेंगे?
उत्तर : मैं यहां सिर्फ एक शेर कहना चाहूँगा
" मैदान में हार जीत तो बस वक्त की बात है, टूटी हैं किसके हाथ में तलवार नही। "
हारने वाले को यही कहूंगा कि जिंदगी काफ़ी लंबी है और काफ़ी अवसर देती है। एक चीज़ और कहना चाहूँगा कि हारने वाले को और आक्रामक होना चाहिए,और निरंतर चुने हुए उम्मीदवारों के काम पर ध्यान रख करके GBM और प्रशासन को उस बारे में अपडेट करते रहना चाहिए। इस तरह से देखें तो उनकी ज़िम्मेदारी और बढ़ जाती है।

प्रश्न 8: चुनाव से सम्बंधित आपका GBM के लिए कोई संदेश?
उत्तर : चुनाव से सम्बंधित GBM को एक ही सन्देश दिया जा सकता है – यह चुनाव है और आपके हाथ में ताकत है तो इस ताकत का इस्तेमाल करिये। क्यूंकि अगर आप उस प्रक्रिया का हिस्सा नही है जिसमे आपका एक प्रतिनिधि चुना गया है तो आप किसी भी मुद्दे पर शिकायत करने का आपना अधिकार खो देते हैं। क्यूंकि जब आपके पास मौका था कि सही इंसान को पद के लिए चुने तो वह मौका आपने खो दिया।

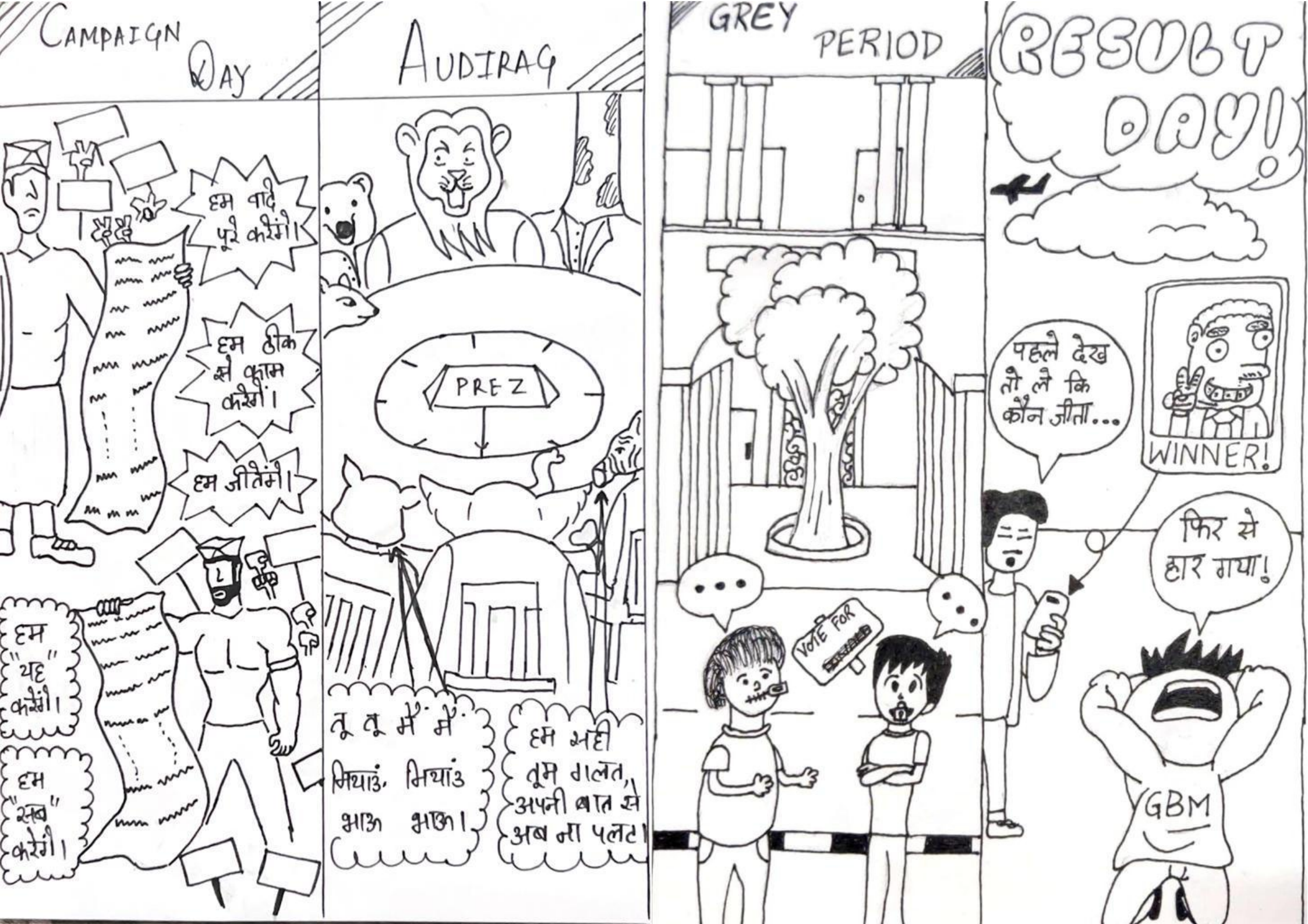

CAMPAIGN DAY
हम वादे पूरे करेंगे!
हम ठीक से काम करेंगे।
हम जीतेंगे!
हम "यह" करेंगे।
हम "सब" करेंगे।
AUDIRAG
PREZ
तू तू मैं मैं
मियाऊं, मियाऊं
भाऊ भाऊ।
हम सही
तुम गलत,
अपनी बात से
अब ना पलट!
GREY PERIOD
...
VOTE FOR
...
RESULT DAY!
पहले देख तो ले कि कौन जीता...
WINNER!
फिर से हार गया!
GBM

इनफार्मेशन सेमिनार : चुनाव प्रक्रिया का संक्षिप्त परिचय

बिट्स पिलानी के चुनाव आयोग ने GBM को सभी उम्मीदवारों से अवगत कराने हेतु 3 सितंबर 2023 को इनफार्मेशन सेमिनार का आयोजन कराया। इसमें एसोसिएट डीन प्रोफेसर नवीन सिंह और चीफ़ वार्डेन प्रोफेसर राजेश प्रसाद मिश्रा भी मौजूद थे। सेमिनार की शुरुआत चीफ वार्डेन के संबोधन के साथ हुई, जहाँ उन्होंने सारे उम्मीदवारों को चुनाव के लिए शुभकामनाएँ दी और सेमिनार में मौजूद लोगों का अभिनंदन किया। उन्होंने कैम्पस पर मुख्य समस्याओं पर चर्चा की और उन मुद्दों पर ध्यान देने की सलाह दी। चुनाव के बारे में बात करते हुए उन्होंने बताया कि प्रतिस्पर्धा के बजाय इसे एक अलग फेस्ट की तरह समझ कर काम करना चाहिए। चुनाव में अपने आप को विजय साबित करने के लिए किसी को गलत साबित करने से बेहतर यह है कि हम सबके फायदे के लिए काम करें। इसके बाद एसोसिएट डीन प्रोफेसर नविन सिंह ने उम्मीदवारों को शुभकामनाएँ देते हुए, चुनाव के मतदाता और मतगणना की बात की। उन्होंने सभी को वोट देने के लिए प्रेरित किया और यह बताया की वह अपनी स्वेक्षा और समझ के साथ वोट दें। आगे स्टूडेंट यूनिन के बारे में बात करते हुए उन्होंने बताया कि स्टूडेंट यूनियन का काम फेस्ट और परीक्षा के समय क्लासरूम खुलवाना तक ही सिमित नही है। ऐसी कई और सारी समस्याओं के बारे में भी काम किया जा सकता है। उन्होंने उम्मीदवारों को समझाया की नेता बनने से ज्यादा बेहतर यह है कि समस्याओं के समाधान पर काम किया जाये । अपने संबोधन के अंत में उन्होंने कहा कि हार जीत तो लगी रहती है और हारना एक सीख है, नतीजा नही।

प्रोफेसर नविन सिंह के संबोधन के बाद, अध्यक्ष पद के उम्मीदवार मुनीश जैन ने अपने मेस प्रतिनिधित्व में किये गए कामों को लेकर चर्चा की जिसमें से DCC, दिवाली नाईट, नाईट कैफे जैसी पहलें शामिल थे। आगे समझते हुए कहा की इन सभी की वजह से बिट्सियन को घर के समान कैम्पस पर रहने का अनुभव होता है। बिट्सियन को कैम्पस पर किसी भी चीज़ को लेकर परेशानी न हो, यही उनकी प्राथमिकता हैं। इसके बाद प्रियांशु पारेख ने अपने बिट्स में बिताए हुए अनुभवों को लेकर चर्चा की और बताया की बिट्स काफी विकासशील संस्थानों में से एक हैं और संस्थान के हित के लिए कोई भी काम करने के लिए तैयार है। सेमिनार को आगे संबोधन करते हुए सहज द्विवेदी ने कैम्पस पर सकारात्मक माहौल की बात की और कहा की समस्याओं और नए पहलों के लिए काम साथ में और निष्पक्ष तरीके से करने की जरूरत है। GBM को वित्तीय संबंधित सारी जानकारियों का होना अनिवार्य है और इसके लिए स्टूडेंट यूनिन को एक साथ काम करने की आवश्यकता है । आगे सहज ने शंकर भवन प्रतिनिधि के दौरान लिए गए पहलों की बात की। इसमें से स्टूडेंट यूनियन कैब सर्विस और लीडरशिप सम्मेलन जैसे आयोजन शामिल हैं। इसके बाद उम्मीदवार सार्थक अग्रवाल ने अपने बिट्स की तीन साल की यात्रा के बारे में वर्णन किया।उन्होंने बताया कि किस तरह बिट्स पिलानी ने उनमे बदलाव लाया और किस प्रकार यह संस्थान अपने आप में अलग है। आगे उन्होंने नैतिक काम और समस्याओं को लेकर चर्चा की और उनके समाधान को लेकर भी चर्चा की।

इसके बाद सेमिनार एक आम बहस के लिए खुल गया जहाँ उम्मीदवारों ने एक दूसरे के बातों को लेकर चर्चा की, जिसमें उम्मीदवार सहज द्विवेदी ने स्टूडेंट यूनियन का अकाउंट बनाना सही बताया क्यूंकि इससे क्लब और वित्त से सम्बंधित चुनौतियां कम होगी। इसके अलावा उम्मीदवार मुनीश जैन ने कैम्पस पर विद्युत वाहन को लेकर बात की और बताया कि कैम्पस पर इसके लिए स्टूडेंट यूनिन चालकों के लिए ऋण का प्रबंधन किया जा सकता है। इसके लिए कोई अलग से बजट की जरूरत नही होगी। उम्मीदवार सार्थक अग्रवाल ने कमेटी के लोगों का चुनाव को औपचारिक और निष्पक्ष रखने की बात की। आगे उम्मीदवार मुनीश जैन ने हाउस कीपिंग सर्विस की बात की जिसके लिए पैसे SWD अकाउंट पर जोड़ लिए जायेंगे। इसके लिए अभी के नियम में बदलाव करने की आवश्कयता है जिसमे वर्कर्स स्टूडेंट के कमरे में जा सकेंगे।

अध्यक्ष पद के उम्मीदवार सार्थक अग्रवाल से साक्षात्कार

सार्थक अग्रवाल

प्रश्न1.अपने बारे मैं कुछ बताईये, आपका SU में कैसा अनुभव रहा है?
उत्तर: नमस्ते, मेरा नाम सार्थक अग्रवाल है, और मैं तीसरे वर्ष का छात्र हूँ। मेरी ब्रांच Msc. Physics और BE Chemical Engineering है, और मैं अध्यक्ष पद के लिए चुनाव लड़ रहा हूँ। पिछले साल मैं स्टूडेंट यूनियन का हिस्सा था, जिसके द्वारा काफी सारी नयी पहल में मेरी भागीदारी रही है। हमने कई त्योहारों व उत्सवों का आयोजन किया था। स्टूडेंट यूनियन प्रिंटिंग सर्विस, एकैड ड्राइव और प्रेप टॉक मेरी लाई हुई नई पहल हैं जिनका कई छात्रों ने लाभ उठाया।

प्रश्न2. आपने अध्यक्ष के पद के लिए चुनाव लड़ने का निर्णय कब लिया?
उत्तर: अपने दूसरे वर्ष में स्टूडेंट यूनियन का सदस्य बना और कई सारे नयी पहल के लिए मैंने काम किया। मैंने फैस्ट में भी स्टूडेंट यूनियन के दफ़्तर में बैठकर काम किया है और MoUs बनाये हैं। इस दौरान मैंने स्टूडेंट यूनियन के काम को बारीकी से देखा है। अपोजी में हमने का स्टूडेंट यूनियन लीडरशिप सम्मलेन का आयोजन करवाया था, जिसमें बिट्स के पूर्वी छात्र अतिथि के तौर पर आये थे। मैंने उनसे बात करके स्टूडेंट यूनियन के काम को और गहराई से जाना, और उन्होंने मुझे छात्र संघ में और भी काम करने के लिए प्रेरित किया।

प्रश्न3. इस पद की कौन सी विशेषताओं ने आपको चुनाव लड़ने के लिए प्रेरित किया?
उत्तर: अध्यक्ष का नेतृत्व करते हैं और छात्र संघ का कोष संभालते हैं। अध्यक्ष छात्रों के जीवन में सुधार लाने के लिए एडमिनिसट्रेशन के साथ मिलकर काम करता है। मैं एक ऐसा अध्यक्ष बनना चाहता हूँ जो हमेशा छात्रों की सेवा में हाज़िर रहे और जो उनकी किसी भी समस्या का समाधान निकालने की कोशिश करे। मैं सभी बिट्सियंस का आभारी हूँ और मैं उनके लिए कुछ करना छाहता हूँ।

प्रश्न4: अगर आपको मौका दिया जाए तो आप कौनसी एक नई पहल करना चाहेंगे, जो आपने अपने घोषणा पत्र या मैनिफेस्टो में नही बताया है?
उत्तर: मैं चाहता हूँ कि UC - GBM और हॉस्टल एवं मैस के प्रतिनिधियों की बैठकों की संख्या बढ़ाई जाए। ऐसा करने से छात्र अपनी समस्याएँ साझा कर पाएँगे और इससे नियमित रूप से उनके काम का समीक्षण भी होता रहेगा।
इसके अवाला, मैं छात्र संघ प्रिंटिंग सेवा को और बेहतर बनाने का प्रयास करूँगा। छात्रों की सुविधा के लिए खाने - पीने की दुकानों को 24 घंटे खोलने का और NAB एवं FDs में वेंडिंग मशीन्स रखवाने का प्रयास किया जा सकता है।

प्रश्न5: चुनाव के समय आपको किन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है और आपक प्रचारक कैसे आपकी सहायता कर रहे हैं?
उत्तर: चुनाव लड़ने में बहुत सी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है । हमें सभी 13-14 होस्टल्स में प्रचार करना होता है, और इस काम में मेरे प्रचारकों और सभी दोस्तों ने हरदम मेरा साथ दिया है। हमारी पूरी टीम अलग- अलग होस्टल्स में जाकर प्रचार कर रही है।
2023 बैच को छात्र संघ के बारे में बहुत कम जानकारी है। क्योंकि वह कैंपस पर नए हैं, उन्हें क्लोकरूम सेवा जैसी काफ़ी सारी पहलों के बारे में नही पता। हमारी यही कोशिश है कि फ्रेशर्स को SU के कार्यों के बारे में बताया जाए, ताकि वह बिना किसी के बहकावे में आये खुद की समझ से वोट दें।

प्रश्न6: हाल ही में, फेस्ट्स में वित्तीय पारदर्शिता का मुद्दा उठा था। यदि आप अध्यक्ष बनते हैं, तो आप पारदर्शिता को बनाये रखने के लिए क्या कदम उठाएंगे?
उत्तर: हर फैस्ट के बाद, एक रिपोर्ट के द्वारा उस फैस्ट में छात्र संघ द्वारा किये गए सारे खर्चों का हिसाब दिया जाता है। हाल ही में कुछ लोगों पर “कट” लेने का आरोप लगाया गया था। अगर मैं अध्यक्ष बन जाता हूँ, तो खुद ऐसे काम करना तो दूर की बात, मैं किसी को भी ऐसा काम नही करने दूंगा।
काफ़ी बार मेस साइनिंगस के दौरान छेड़खानी करी जाती है। जिन्होंने टिकट नही खरीदी होती, उनके भी SWD अकाऊंट से पैसे ले लिए जाते हैं। इसके समाधान के लिए हमें रद्द करने की प्रक्रिया को बेहतर बनाना होगा ।

प्रश्न 7: हॉस्टल में आज भी साफ़- सफ़ाई और पानी की कमी जैसी समस्याएँ होती हैं। क्या इनको हल किया जा सकता है?
उत्तर: दरअसल पानी की समस्या केवल बिट्स में ही नही, पूरे पिलानी मे है। मैंने नवीन सिंह सर से इस विषय में बात की थी, और उनके अनुसार पानी की सप्लाई बढ़ानी चाहिए । इस स्थिति में हमें वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देना चाहिए। हर भवन में 4 सफ़ाई कर्मचारी और एक मैनेजर होता हैं । मैंने देखा है कि इस समस्या की जड़ मैनेजर होते हैं। यदि मैं अध्यक्ष बन जाता हूँ, तो यूनियन काउन्सिल के हॉस्टल प्रतिनिधियों से इन मैनेजरों के काम की अपडेट्स और जानकारी लेता रहूँगा जिससे कि इस समस्या को सुलझाया जा सके।

अध्यक्ष पद के उम्मीदवार मुनीश जैन से साक्षात्कार

मुनीश जैन

प्रश्न 1:कृपया अपने बारे में कुछ बताइए। आपका अब तक का अनुभव कैसा रहा?

उत्तर:मेरा नाम मुनीश जैन है। मैं ,Msc Chemistry और EEE ब्रांच का छात्र हूं। मैं अपने फर्स्ट इयर में एस आर हॉस्टल के मेस रिप्रेसेंटेटीव रह चुका हैं और अपने सेकंड इयर में एस एस एम् एस के सचिव भी रह चुका हैं। अपने कार्यालय में मैंने एक नए रेस्टोरेंट 'द क्लाउड कैफे' खुलवाया है।

प्रश्न 2:क्या आप बता सकते हैं कि आपने चुनाव लड़ने का फैसला कब और कैसे किया? या कोई ऐसा अनुभव ?

उत्तर:जैसा की मैंने बताया मै एस एस एम् एस में काम कर चूका हूँ। वहाँ काम करते करते मैंने काफ़ी कुछ सीखा और नेतृत्व कौशल का विकास किया। अपने साथ काम करने वाले सीनिअर्स से काफ़ी कुछ सीखा। यह अनुभव मुझे अत्यंत पसंद आया और मैं चाहता था कि इस अनुभव को मैं बड़े माध्यम तक लेके चलूँ , फिर मैंने सोचा क्यों ना मैं SU के प्रेसिडेंट की पद के लिए चुनाव लड़ूं ।

प्रश्न 3:इस पद की कौन सी विशेषताएँ ने आपको चुनाव लड़ने के लिए प्रेरित किया?

उत्तर:मेस का कार्यालय संभालते-संभालते मुझे छात्रों की कई समस्याएं का पता चला जो मैंने खुद भी झेली। मैं नही चाहता की यह समस्यांए मेरे जुनिअर्स भी देखे इसलिए मै इस पद पर जाके इन समस्याओं का हल निकलना चाहूँगा। मैं अध्यक्ष की पद पर रह कर अपने सहपाठियों से अच्छे से जुडना चाहता हूँ इसलिए मैंने प्रेसिडेंट की पद के लिए जाने का सोचा।

प्रश्न 4:अगर आपको मौका दिया जाए तो आप ऐसा कौन सी एक नयी पहल करना चाहेंगे, जो आपने अपनी घोषणा पत्र में नही बताया है?

उत्तर:पानी और बिजली की समस्या एक बड़ी समस्या है जिसका हल मैंने ढूंड रखा है परंतु यह मेरे मेनिफेस्टो में नही लिखा है। मैं चाहता हूँ कि केम्पस में पानी और बिजली की समस्या फिर कभी ना आये।

प्रश्न 5:चुनाव के दौरान आपके लिए सबसे बड़ी चुनौती क्या है? चुनाव के दौरान आपको अपने दोस्तों से क्या मदद मिल रही है? क्या इस वर्ष चुनाव के तरीकों में कोई बदलाव हुए हैं?

उत्तर:इस चुनाव में 2023 बैच के छात्र भी अपना मतदान देने आयेंगे। उनके लिए यह चुनाव एक नया अनुभव है इसके साथ साथ उन्हें कैम्पस पर हुई गतिविदियों का भी आभास नही है। मैं अपने जुनिअर्स से यही कहना चाहूँगा कि वे सोच-समझकर, मैनिफेस्टो को पढकर तथा पहले हुए कार्यो की पुष्टि कर, 10 सितम्बर को मतदान देने अवश्य जाएँ। इस चुनाव में मेरे दोस्त ही हैं जिनकी मदद से मैं आज इधर बैठा हूँ। अगर मैं जीतता हूँ तो इसका पूरा श्रेय मेरे दोस्तों को जाता है। हर कठिन इस्तिथि में उन्होंने मुझे प्रेरित किया है की मै कैम्पेन करूँ। पिछले साल से अलग इस बार ऑनलाइन अभियान करना अनुमत है जिसके ज़रिये हम बड़ी मात्र में अपना अभियान रचा सकते हैं।

प्रश्न 6:पिछले साल हमें फेस्ट के वित्तीय से जुड़ी चीज़ों में गलतियाँ देखनी को मिली। आने वाले फ़ेस्ट में इसका ध्यान कैसे रखा जा सकता है?

उत्तर:मेरी योजना के अनुसार, अगर मैं अध्यक्ष के पद को प्राप्त करता हूँ , मै एक reimbursement portal का निर्माण करूंगा: जिसके ज़रिये कॉलेज से जुड़े हर लेन- देन का ख्याल रखा जाए और धनवापसी आसान किया जाएगा। पिछले कुछ फेस्ट के विलोम बिट्सियन से जुड़े सारी लेन देन, जो कि दिखाई जा सकती है, को सरल किया जाएगा।

प्रश्न 7:हॉस्टल में अभी भी साफ़ सफाई तथा पानी की कमी एक समस्या है। क्या इसका समाधान है या फिर यह वर्षो से चला आ रहा है एक चुनाव के वोट बैंक का तरीका है?

उत्तर:अभी के समय में कर्मचारी जो बाथरूम की सफाई करने आते हैं उनको कमरे में सफाई करने के पैसे नही दिए जाते हैं इसलिए जब भी कोई छात्र अपने कमरे की सफाई करने बुलाता है वे अंड-शंड पैसे मांगते हैं। मेरे मैनिफेस्टो में उल्लिखित यह एक बिंदु है जिसमें इस समस्या का ख्याल रखा जाएगा। कॉलेज के एडमिनिस्ट्रेशन और नविन सर से बात करके हमने यह फैसला लिया है कि उपस्तिथि में काम करने वाले बालाजी सर्विस में कर्मचारियों की मात्रा बढाई जायेगी। उनमें से आधे कर्मचारी बाथरूम की सफाई करेंगे और आधे कर्मचारी कमरों की और उनका भाव एक ही रहेगा जो की साल के आखिरी में फीस में शामिल कर लिया जाएगा।

पानी से संबंधित समस्या राजस्थान का हर घर झेल है। अगर मैं अध्यक्ष के पद पर आता हूँ तब मैं बहार के कार्यालय को पानी की समस्या हल करने हेतु पुश करूँगा। इसके लिए मेरे पास एक दूसरा उपाय भी है, जिस तरह राम भवन की पानी की समस्या को हल करने के लिए रेन वाटर हार्वेस्टिंग प्लांट लगाया है उस ही तरह हर भवन में यह लगाया जाएगा जिससे पानी की बचत भी होगी।

अध्यक्ष पद के उम्मीदवार सहज द्विवेदी से साक्षात्कार

सहज द्विवेदी

प्रश्न 1 : कृपया संक्षेप में अपना परिचय दीजिए।
उत्तर : मेरा नाम सहज द्विवेदी है। मैं सतना, मध्य प्रदेश से हूँ। मैं 2021 बैच का छात्र हूँ। मेरी इंजीनियरिंग ब्रांच सिविल है। मैं व्यास भवन में कमरा नंबर 3132 में रहता हूँ।

प्रश्न 2 : आपने चुनाव लड़ने का फैसला कब और कैसे लिया? या कोई ऐसा अनुभव?
उत्तर : अध्यक्ष ऐसा पद नही है जिसका चुनाव लड़ने का फैसला एक दिन या एक महीने में किया जाता है। मैं प्रथम वर्ष में छात्रसंघ (Student Union) का हिस्सा नही था। परन्तु प्रथम वर्ष की शुरुआत से ही मैं छात्रसंघ की कार्यशैली से बहुत प्रभावित था। द्वितीय वर्ष में मैं शंकर भवन गया और वहाँ पर H-Rep का चुनाव लड़ा। उस चुनाव में मुझे कुछ तकलीफों का सामना करना पड़ा लेकिन अंत में मेरी जीत हुई। एक वर्ष के कार्यकाल में मैंने बहुत से काम करवाए। H-Rep के कार्य अनुभव से मुझे लगा कि जैसा काम मैंने H-Rep पद प्राप्त करके किया, मैं वैसा ही काम एक बड़े स्तर पर करना चाहता हूँ। इसलिए मैनें अध्यक्ष पद के लिए चुनाव लड़ने का फैसला किया।

प्रश्न 3 : इस पद की कौन-सी विशेषताओं ने आपको चुनाव लड़ने के लिए प्रेरित किया?
उत्तर : छात्रसंघ के सभी पद बराबर महत्त्व रखते हैं, चाहे वो पद H-Rep हो या कोर कमेटी, एग्ज़ेक्यूटिव कमेटी, हॉस्टल स्पोर्ट्स रिप्रसेंटेटीव, जनरल सेक्रेटरी या अध्यक्ष हो। जब मैने अपने मित्रों से बात की और स्वयं मनन-चिंतन किया, तो मुझे लगा कि मेरे पास अध्यक्ष पद का चुनाव न लड़ने का कोई कारण नही है। अध्यक्ष ऐसा पद है जिससे मैं विविध क्षेत्रों में काम कर सकता हूँ।

प्रश्न 4 : अगर आपको मौका दिया जाये, तो आप कौन-सी ऐसी नई पहल करना चाहेंगे जो आपके घोषणा पत्र में नही लिखी है?
उत्तर : घोषणा पत्र से हटकर जो मैं सबसे पहला काम करना चाहूँगा, वो है पानी और बिजली की समस्या का हल निकालना। यह सिर्फ बिट्स कैम्पस की ही नही, बल्कि पूरे शहर की समस्या है। इसके अलावा मैंने महसूस किया है कि हर साल शुल्क (Fees) लगभग 15 फीसदी बढ़ा दिया जाता है और कैम्पस पर कुछ बदलाव नही होता। मैं यह बदलना चाहता हूँ।

प्रश्न 5 : चुनाव के दौरान आपके लिए सबसे बड़ी चुनौती क्या है? चुनाव के दौरान आपको अपने दोस्तों से क्या मदद मिल रही है? क्या इस वर्ष चुनाव के तरीकों में कोई बदलाव हुए हैं?
उत्तर : मुझे लगता है कि इस वर्ष के चुनाव में 2023 बैच सबसे बड़ी चुनौती है क्योंकि उन्हें कैम्पस पर आये हुए लगभग 20 ही दिन हुए हैं। बाकी सभी वर्षो के छात्रों में हर उम्मीदवार की पहले से एक छवि है। 2023 बैच को अपने लिए वोट डालने के लिए मनाना कठिन है। मुझे अपने प्रचारकों (Campaigners), दोस्तों और विन्गीस से काफ़ी मदद मिली है। यदि मैं चुनाव जीतता हूँ, तो जीत का श्रेय हर उस व्यक्ति को जायेगा जिसने मुझे वोट दिया। इस वर्ष के चुनाव में एक छोटा-सा बदलाव ये है कि घोषणा-पत्र चुनाव आयोग (Election Commission) द्वारा छपवाए गए हैं जबकि पहले उम्मीदवारों को अपने घोषणा-पत्र खुद छपवाने पड़ते थे।

प्रश्न 6 : पिछले साल हमें फेस्ट के वित्त से जुड़ी चीज़ों में गलतियाँ देखने को मिली। आने वाले फेस्ट में इसका ध्यान कैसे रखा जा सकता है?
उत्तर : पिछले साल मैं यूनियन काउंसिल का सदस्य था। अपने कार्य अनुभव से मुझे फेस्ट के आयोजन की प्रक्रिया को करीब से देख पाने का मौका मिला। मैनें अपने घोषणा-पत्र में वित्त से जुड़े बदलाव की काफ़ी चर्चा की है। एक बहुत बड़ी समस्या है-गलत साइनिंग्स। बहुत से लोगों का नाम मेस साइनिंग्स में उनकी इच्छा के विरुद्ध गलती से डाल दिया जाता है। इसका हल निकालने के लिए मैंने बहुत से बदलाव किए हैं। मुझे लगता है कि फेस्ट को बेहतर बनाने के लिए बहुत से छोटे-छोटे परिवर्तन मददगार होते हैं। मुझे आशा है कि यदि मैं कार्यालय ग्रहण करता हूँ, तो सभी क्लब, डिपार्टमेंट, असोसिएशन, StuCCA और GBM के सहयोग से मैं फेस्ट के वित्तीय समीकरण को बेहतर एवं अधिक पारदर्शी बना पाऊँगा।

प्रश्न 7 : हॉस्टल में अभी भी साफ़-सफाई तथा पानी की कमी एक समस्या है। इसका क्या समाधान है या फिर यह वर्षो से चला आ रहा एक चुनाव के वोट बैंक का तरीका है?
उत्तर : मैं इस सवाल को दो तरीके से देखता हूँ; साफ-सफाई अलग और पानी की समस्या अलग। साफ-सफाई कर्मचारियों के काम करने के तरीके में काफ़ी दिक्कतें हैं। हर हॉस्टल में जितने सफाई कर्मचारियों की ड्यूटी लगी होती है, कभी भी उतने कर्मचारी मौजूद नही होते। इसे सुलझाने के लिए उन पर कड़े नियम लगाने होंगे और नियमों के उल्लंघन पर उनके खिलाफ सख्त कार्यवाही करनी होगी। पानी की समस्या सुलझाना मेरी प्राथमिकता है। परन्तु यह एक बाहरी समस्या है तो इसके हल के लिए किसी बाहरी संस्था की सहायता भी लेनी पड़ सकती है। पानी के मुद्दे पर यदि कुछ हो पाया तो ज़रूर सबके सहयोग के साथ इस पर कुछ करना चाहूँगा।

अध्यक्ष पद के उम्मीदवार प्रियांशु पारीक से साक्षात्कार

प्रियांशु पारीक

प्रश्न 1: कृपया संक्षेप में अपना परिचय दीजिए।
उत्तर: मेरा नाम प्रियांशु पारीक है और मैं स्टूडेंट यूनियन चुनाव मे प्रेजिडेंट के पद के लिए खड़ा हो रहा हूँ। मैं डे स्कॉलर हूँ और मेरी id 2021B2TS2069P है। पिलानी कैंपस मे मुझे ज़्यादातर लोग शैरी के नाम से भी जानते है।

प्रश्न 2: क्या आप बता सकते हैं कि आपने चुनाव लड़ने का फैसला कब और कैसे किया? क्या इससे सम्बंधित आपका कोई पूर्व अनुभव रहा है?
उत्तर : मैं अपने फर्स्ट ईयर में स्टूडेंट यूनियन का हिस्सा था और अपने सेकंड ईयर मे डे स्कॉलर रिप्रेजेन्टेटिव के तौर पर यूनियन कॉउन्सिल का हिस्सा था। अपने इस कार्य अनुभव के दौरान ही मुझे समझ आया कि स्टूडेंट यूनियन कैसे सभी के हित में बेहतर कार्य कर सकती है। मैं जिस पद के लिए चुनाव लड़ रहा हूं वह जिम्मेदारी की बड़ी भावना के साथ आता है और मुझे पता है कि इससे मुझे सुधार के लिए काम करने का मौका मिलेगा।

प्रश्न 3: इस पद की कौनसी विशेषताओं ने आपको चुनाव लड़ने के लिए प्रेरित किया?
उत्तर : बिट्स पिलानी में प्रेजिडेंट का पद सर्वोच्च पदों में से एक है और इसमें FD1, FD2 और FD3 क्लॉज़ जुड़े हैं। छात्रों के सुधार के लिए जो मेरा दृष्टिकोण और मैनिफेस्टो है वह प्रेजिडेंट पद ही पूरा कर पायेगा। मैंने अपने मैनिफेस्टो मे जो भी जिम्मेदारियां ली है उसके लिए प्रेजिडेंट पद से बेहतर कोई और पद नही हो सकता है।

प्रश्न 4: अगर आपको मौका दिया जाए तो आप कौनसी एक नई पहल करना चाहेंगे, जो आपने अपने घोषणा पत्र या मैनिफेस्टो में नही बताया है?
उत्तर : मुझे और मेरे प्रचारकों को भी यह लगता है कि फेस्ट्स के दौरान जो साइनिंग्स की जाती है वहाँ समानता का अभाव है। कई लोग फ़र्ज़ी साइनिंग करते है जो कि गलत है। इसे सुधारने के लिए अनिवार्य है कि एक पुष्टिकरण मेल के द्वारा सूचना प्रदान की जाये। इन सभी भ्रमों से बचने के लिए मुझे लगता है कि एक ऐसी प्रणाली लागू की जानी चाहिए जिसके माध्यम से छात्रों को इसके बारे में पुष्टि मिल सके।

प्रश्न 5: चुनाव के दौरान आपके लिए सबसे बड़ी चुनौती क्या है? चुनाव के दौरान आपको अपने दोस्तों से क्या मदद मिल रही है? क्या इस वर्ष चुनाव प्रक्रिया में क्या कोई बदलाव हुए हैं?
उत्तर : एक बड़ी चुनौती जिसका हमें सामना करना पड़ता है, वह है मीरा और बुद्ध भवन की छात्राओं से बात करना। मीरा भवन में विज़िटर्स एरिया है परन्तु बुद्ध भवन में वह भी नही है। इसके आलावा मीरा भवन मे काफ़ी सारे ब्लॉक्स है जो कि एक-दूसरे से काफी दूर स्थित हैं जिसके कारण सभी मीरा निवासियों को एकत्रित करना मुश्किल हो जाता है। साथ ही चुनाव दिशा-निर्देश का पालन करना भी आवश्यक है जिसके कारण हम फ़ोन पर बात नही कर सकते या 8 से ज़्यादा लोगो से एक साथ बात नही कर सकते। इसके अतिरिक्त इतने सीमित समय में इतने सारे छात्रों से बात करना भी मुश्किल हो जाता है।

प्रश्न 6: पिछले साल हमें फेस्ट के वित्तीय मामलों में गलतियाँ देखनी को मिली थी। आने वाले फ़ेस्ट में इसका ध्यान कैसे रखा जा सकता है?
उत्तर : जैसा कि मैंने पहले भी बताया था कि मैं फेस्ट्स के दौरान हो रही साइनिंग्स में पारदर्शिता का समर्थन कर रहा हूँ। मेरे अनुसार फेस्ट के दौरान हो रहे प्रत्येक खर्चे के बारे मे छात्र को सूचना मिलनी चाहिए। जो भी सुधार मुझे लगता है होने चाहिए, मैं उनके लिए पूरी तरह काम करूँगा। प्रेजिडेंट पद पर आने के बाद भी मैं वही व्यक्ति रहूंगा, जो मैं हूं और हमेशा छात्रों की मांगों को सुनूंगा।

प्रश्न 7: हॉस्टल में अभी भी साफ़-सफाई तथा पानी की कमी एक समस्या है। क्या इसका समाधान है या फिर यह वर्षों से चला आ रहा एक चुनाव के वोट बैंक का तरीका है?
उत्तर : हॉस्टल्स में हो रही साफ़-सफाई या पानी की कमी की समस्या को सुधारा जा सकता है। मेरे अनुसार एक प्रेजिडेंट के रूप मे जो भी कॉन्ट्रैक्टर्स है उनसे बात की जा सकती है उसके आलावा एक सिस्टम के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि हॉस्टल्स में साफ़-सफाई का ध्यान रखा जा रहा है। और पानी की समस्या की बात है तो रेन वाटर हार्वेस्टिंग एक अच्छा उपाय है। इसके अतरिक्त प्रेजिडेंट के तौर पर मे राजस्थान की सरकार से भी यह गुज़ारिश कर सकता हूँ जल का स्त्रोत है वह क्यों न पिलानी से होकर जाये।

SAC
QUASH
GYM
BOXING
SU ELECTIONS
The President 2023-24 is:
DC
Manifesto
Manifesto
VOTE for ME

महासचिव पद के उम्मीदवार आशीष कुमार चेरुकु से साक्षात्कार

आशीष कुमार चेरुकु

प्रश्न 1:कृपया अपने बारे में कुछ बताइए।

उत्तर: मेरा नाम आशीष चेरुकू है। मेरी ब्रांच है Msc Economics और Manufacturing. मैं तीसरे वर्ष का छात्र हूं। मैं स्टूडेंट यूनियन 2023 चुनाव के महासचिव पद के लिए चुनाव लड़ रहा हूं।

प्रश्न 2: क्या आप बता सकते हैं कि आपने चुनाव लड़ने का फैसला कब और कैसे किया? या कोई ऐसा अनुभव ?

उत्तर: मैं जब अपने पहले साल में कॉलेज आया था तब, हिंदी भाषा से कम परिचित होने के कारण अपने सहपाठियों से कम घुल-मिल पाया। लेकिन हिंदी सीखते-सीखते मैं अपने सीनियर्स से परिचित हुआ और तब मुझे चुनाव और SU के बारे में पता चला। मेरी राजनीति में रूचि जागृत हो गयी। इसके अलावा मेरे दोस्तों ने भी मुझे इस पद पर जाने के लिए प्रेरित किया।

प्रश्न 3: इस पद की कौन-सी विशेषताओं ने आपको चुनाव लड़ने के लिए प्रेरित किया?

उत्तर: एक कॉलेज अध्यक्ष को सहारा देने के लिए जनरल सेक्रेटरी हमेशा मौजूद होता है। इन्वेंटरी, स्टूडेंट एक्टिविटी सेंटर, क्लब और डिपार्टमेंट जैसी चीज़ें जनरल सेक्रेटरी के उत्तरदायित्व क्षेत्र के अंतर्गत आती हैं। मुझे लगता है जनरल सेक्रेटरी, कॉलेज के बच्चों के ज़्यादा करीब होता है। ये सब कारण मुझे जनरल सेक्रेटरी बनने के लिए प्रेरित करते हैं।

प्रश्न 4: अगर आपको मौका दिया जाए तो आप ऐसा कौन-सी एक नयी पहल करना चाहेंगे, जो आपने अपनी घोषणा पत्र में नही बताई है?

उत्तर: SU एप बिट्स के छात्रों के लिए बहुत काम की पहल है, जिसके ज़रिये उनके जीवनशैली में काफ़ी बदलाव आये हैं। उसका ही परिपेक्ष्य बढ़ा कर मैं उसे और असरदार बनाना चाहता हूँ। अभी वो सिर्फ चार से पांच भोजनालयों तक ही सीमित है। हमारे बिट्स की अलुमिनी संख्या तीस से चालीस हज़ार जितनी बड़ी है जो कि हमारे कॉलेज की काफ़ी बड़ी ताकत है। इनमे से मैं सिर्फ दस से पन्द्रह लोगों से मिला हूँ और चार से पांच लोगों से सलाह ली है। मुझे लगता है हम उन तीस-चालीस हज़ार लोगों को SU एप पर ला सकते हैं। इसके अलावा काफ़ी सारी दुकानें जो कनॉट में स्थित हैं, उनको SU एप पर लाना चाहता हूँ।

प्रश्न 5: चुनाव के दौरान आपके लिए सबसे बड़ी चुनौती क्या है? चुनाव के दौरान आपको अपने दोस्तों से क्या मदद मिल रही है? क्या इस वर्ष चुनाव के तरीकों में कोई बदलाव हुए हैं?

उत्तर: हो सकता है कि ये आपको मज़ाक लगे पर कैम्पस पर पाँच हज़ार बच्चों से मिलना मेरे लिए बहुत बड़ी चुनौती है। मैं आपको एक उदहारण देता हूँ- एक MLA को चुनाव जीतने के लिए करीबन तीन लाख वोट चाहिए होते हैं पर उनमें से केवल दस से पन्द्रह प्रतिशत लोग सोच समझकर मतदान करते हैं परंतु जब बिट्स की बात आये करीबन 99 प्रतिशत जनता होशियार होती है और उनको विश्वास दिलाना बहुत ही कठिन होता है। मुझे लगता है उम्मीदवार का दृढ विश्वास ही उन्हें राज़ी करा सकता है।

पिछले वर्ष के चुनाव में फर्स्ट इयर के छात्रों से मतदान नही करवाया गया था केवल दुसरे, तीसरे और चौथे इयर के छात्र वोट करने आये थे परंतु इस बार फर्स्ट इयर भी शामिल है। क्योंकि वे कैम्पस पर अभी-अभी आये हैं उनका किसी भी उम्मीदवार पर चढ़ाव नही है। जबकि बाकी बैच किसी ना किसी की तरफ ध्रुवित हैं। उनका यहाँ होना ही सबसे बड़ा बदलाव है।

प्रश्न 6: पिछले साल हमें फेस्ट के वित्त से जुड़ी चीज़ों में गलतियाँ देखनी को मिली। आने वाले फ़ेस्ट में इसका ध्यान कैसे रखा जा सकता है?

उत्तर: मुझे लगता है कि covid के कारण फेस्ट होना बंद हो गए थे और पिछला फेस्ट पहला फेस्ट था जो covid के बाद हुआ तो हो सकता है, उसके कारण उसमे कुछ कमियां रह गयी हो। पिछला oasis 50वां oasis था और 49वां oasis 2018-19 में हुआ था। निरंतरता के अभाव के कारण फेस्ट में कुछ कमियां दिखाई पड़ी। क्योंकि हम ने पिछले साल के फेस्ट की कमियां देखी हम अपना पूरा प्रयास करेंगे कि ये गलतियाँ दोबारा ना दोहराएँ।

प्रश्न 7: हॉस्टल में अभी भी साफ़-सफाई तथा पानी की कमी एक समस्या है। इसका क्या समाधान है या फिर यह वर्षो से चला आ रहा है एक चुनाव के वोट बैंक का तरीका है?

उत्तर: राजस्थान क्या इलाका ही ऐसा हैं जहाँ बिजली व पानी की समस्या रहती है। मेरे ख्याल से यह समस्या राजस्थान के हर घर में रहती होगी। यह हमें ऐसे वातावरण में रहने के लिए प्रभावित करता है। मैं मना नही कर रहा हूँ कि हमें पानी और बिजली की दिक्कत होती है। कॉलेज का कार्यालय इसको सुलझाने की निरंतर कोशिश कर रहा है। पिलानी का वाटर बेड अभी तकरीबन हज़ार फुट है और बोरवेल तकरीबन 800 फीट है। अभी कुछ तरीके जैसे रेन वाटर हार्वेस्ट सिस्टम लगाये जा रहे हैं। यह सब करने में कुछ समय लगता है।

महासचिव पद के उम्मीदवार संस्कार अग्रवाल से साक्षात्कार

संस्कार अग्रवाल

प्रश्न 1: कृपया संक्षेप में अपना परिचय दीजिए।

उत्तर: मैं 3rd ईयर सिविल इंजीनियरिंग के छात्र हूँ , एवं अपने 2nd ईयर से ही छात्र संघ के साथ जुड़ा हूँ। मैंने BITSCAD वेबसाइट के निर्माण, कैंपस में EMI की सुविधा एवं courier सेवा के क्रियान्वन में योगदान दिया है। इसके अलावा BITSAA के साथ काम करने का मुझे अनुभव भी है।

प्रश्न 2:क्या आप बता सकते हैं कि आपने चुनाव लड़ने का फैसला कब और कैसे किया? या कोई ऐसा अनुभव साझा कर पाएं ?

उत्तर : मैं 2nd ईयर से ही छात्र संघ से जुड़ा हूँ, छात्र संघ में काम करते हुए मुझे छात्रों द्वारा झेली गयी समस्याओं के बारे में पता चला जैसे पानी की समस्या, साफ़ सफाई की कमी और SWD के अंतर्गत छात्रों द्वारा झेली गयी दिक्कतें। एकीक्युतिव कमेटी में रहते हुए मैंने ये पाया की अगर GBM का साथ मिले तो महा सचिव पद पर कार्य करते हुए मैं इन समस्याओं के सुधार के लिए और बेहतर तरीके से काम कर सकता हूँ।

प्रश्न 3:इस पद की कौन सी विशेषताएँ हैं जिन्होंने आपको चुनाव लड़ने के लिए प्रेरित किया?

उत्तर : महा सचिव पद रहते हुए मुझे छात्र संघ का प्रतिनिधि बनकर, सभी छात्रों से जुड़कर छात्र हितों में काम करने का मौका मिलेगा , साथ ही मुझे छात्रों का चेहरा बन सभी के साथ मिलकर आधारभूत स्तर पे काम करने का मौका मिलेगा।

प्रश्न 4:अगर आपको मौका दिया जाए तो आप वो कौनसी नई पहल करना चाहेंगे, जिसके बारे में आपने अपने घोषणा पत्र में नही बताया है?

उत्तर : छात्र हितों में , मैं काफी योजनाओं के बारे में सोच रहा हूँ जिनमें फीस में अनवांछित शुल्कों में पारदर्शिता लाना, ऑटो ड्राइवर्स द्वारा वसूले गए अत्यधिक शुल्कों में कमी लाना, पानी और साफ़-सफाई की समस्या से लड़ने के लिए छात्र प्रतिनिधियों की कमेटी बनाना, कम्युनिटी एप का निर्माण करना जिसमे बिट्स के सभी छात्र हों, हॉस्टल से दूरी पर स्थित कनॉट जैसी जगहों पर सार्वजनिक टॉयलेट्स का निर्माण करवाना आदि शामिल है।

प्रश्न 5:चुनाव के दौरान आपके लिए सबसे बड़ी चुनौती क्या है? चुनाव के दौरान आपको अपने दोस्तों से क्या मदद मिल रही है? क्या इस वर्ष चुनाव के तरीकों में कोई बदलाव हुए हैं?

उत्तर : चुनाव के दौरान सबसे बड़ी चुनौती कोविद के बाद छात्र प्रतिनिधियों की खराब होती छवि के कारण छात्रों द्वारा उम्मीदवारों पर दिखाया जा रहा अविश्वास है, साथ ही छात्रों को ये विश्वास दिलाना की हम उनके हितों के लिए काम करेंगे और हम घोषणापत्र में जो भी दावे कर रहे हैं उन्हें पूरा करने के लिए हमारे पास सभी साक्ष्य मौजूद हैं और हम उनपर आधारभूत स्तर पर काम करने के लिए तत्पर हैं। पिछले चुनावों के मुकाबले हमें ऑनलाइन कैम्पैनिंग सुविधा के साथ कई विभिन्न प्रकार की सुविधाएं इलेक्शन कमीशन द्वारा प्रदान की गयी हैं।

प्रश्न 6:पिछले साल हमें फेस्ट के वित्तीय मामलों से जुड़ी चीज़ों में गलतियाँ देखनी को मिली। आने वाले फ़ेस्ट में इसका ध्यान कैसे रखा जा सकता है?

उत्तर : इस मामले से जुड़ा मेरे घोषणापत्र में भी एक बिंदु हैं, जिसके अंतर्गत हम पारदर्शिता को बढ़ावा देंगे, इस बारे में हमने CRC के साथ भी बात कर ली है, हमारी योजना के तहत फेस्ट का बजट जनता को दिखाया जाएगा , साथ ही कहाँ से कितनी स्पॉन्सरशिप मिली है , फेस्ट में कितना लाभ या कितनी हानि हुई ये सभी चीज़ें जनता को दिखाई जाएंगी इसके अलावा मेरे घोषणापत्र में एक और बिंदु है जिसके तहत टेंडर्स में ओपन बैलट बॉक्स का प्रयोग किया जायेगा जिसमे कोई भी टेंडर में हिस्सा ले पायेगा तत्पश्चात जिसकी सेवांए सबसे अच्छी होंगी उन्ही को टेंडर प्रदान किया जाएगा।

प्रश्न 7:हॉस्टल में अभी भी साफ़ सफाई तथा पानी की कमी एक समस्या है। क्या इसका समाधान है या फिर यह वर्षों से चला आ रहा एक चुनाव के वोट बैंक का मुद्दा है?

उत्तर : साफ़ सफाई से जुडी मुख्यतः तीन चीज़ों को हमने चिन्हित किया है जिनमें पहला है वाशरूम्स में सफाई की कमी, दूसरा क्लासों में स्तिथ बेंचो पे जमी धुल और तीसरा NAB रूम्स में साफ़-सफाई की कमी है, साथ ही हम छात्रों की एक कमेटी बनाएंगे जिसमे हर भवन से एक छात्र होगा जो साफ़-सफाई के लिए ज़िम्मेदार होगा।जैसे की आपने देखा होगा हर वाहरूम में एक बोर्ड होता है जिसमे टिक मार्क हॉस्टल के सफाई कर्मचारी ही करते हैं, ये जिम्मेदारी हम कर्मचारियों से हटाकर छात्रों को देंगे, छात्र इसपर रिपोर्ट तैयार करेंगे और सेवा प्रदाता को साफ़-सफाई के लिए की गयी कार्यवाही से अवगत कराया जायेगा।

महासचिव पद के उम्मीदवार अभिनव लांबा से साक्षात्कार

अभिनव लांबा

प्रश्न 1: कृपया संक्षेप में अपना परिचय दीजिए।
उत्तर : मेरा नाम अभिनव लाम्बा है। मैं 2021 बैच का छात्र हूँ। मेरी ब्रांच Msc Economics और Computer Science है। मैं पिछले वर्ष राम बुध मेस का मेस रेप था।

प्रश्न 2 क्या आप बता सकते हैं कि आपने चुनाव लड़ने का फैसला कब और कैसे किया? क्या इससे सम्बंधित आपका कोई पूर्व अनुभव रहा है?
उत्तर : मैं पिछले वर्ष राम बुध मेस का मेसरेप था। तब तीन महीने मैं मेरा घोषणा पत्र 90% तक पूरा हो गया था जो की पूरे GC में सिर्फ मैं अकेला हासिल कर पाया। जब मैंने इस पद के लिए काम किया तब मुझे एहसास हुआ कि क्यों ना पुरे कैंपस मे बदलाव लाया जाए इसलिए मैंने महासचिव के पद के लिए चुनाव लड़ने का फैसला किया।

प्रश्न 3: इस पद की कौनसी विशेषताओं ने आपको चुनाव लड़ने के लिए प्रेरित किया?
उत्तर : महासचिव लड़ने के लिए मुझे सबसे बड़ी प्रेरणा 22 बैच से मिली है। मेरे अनुसार Gensec का पद जीतने के बाद , फर्जी शाइनिंग के सिलसिले में अनगणित शिकायतें जो प्राप्त हुई थी उनमें, मैं सुधार ला सकता हूँ।मैं पूरी प्रणाली में पारदर्शिता को शामिल करना चाहता हूं। साथ ही मैं महासचिव बनने के बाद कैंपस की संस्कृति को थोड़ा ओर अकादमिक मोड़ देना चाहता हूँ। मेरे घोषणा पत्र में भी मैंने इस प्रकार की कई पहलों के बारे में ज़िक्र किया जैसे कि Quant minor लाना एवं इंट्रा हॉस्टल कोडिंग प्रतिस्पर्धा शुरू करना।

प्रश्न 4: अगर आपको मौका दिया जाए तो आप कौनसी एक नई पहल करना चाहेंगे, जो आपने अपने घोषणा पत्र या मैनिफेस्टो में नही बताया है?
उत्तर : मेरे घोषणा पत्र मे प्रस्तुत की गयी कई पहलें एक श्रृंखला में हैं ओर एक दूसरे से जुडी हैं। मैंने घोषणा-पत्र में नैतिक विकास एवं हार्ड स्किल वर्कशॉप करवाने का ज़िक्र किया हैं। साथ ही मैंने फ्रीलैंसिंग cell शुरू करने का भी प्रस्ताव रखा है जहाँ लोगों को काम दिलवाया जायेगा। मेरी यह सारी बातें एक श्रृंखला में हैं। पहले वर्कशॉप में जाकर लोगों ने काम सिखा फिर फ्रीलैंसिंग cell के द्वारा उन्हें काम मिला। अगर मौका मिलता हैं तो इसी सिलसिले में मेरा अगला कदम होगा कि एक बिट्स कमुनिटी एप बनाया जाये, जिसके द्वारा बिट्सियनस के पूर्व छात्रों से जुड़ा जा सकता हैं और अपने आप को बहतर बना सकते हैं।

प्रश्न 5: चुनाव के दौरान आपके लिए सबसे बड़ी चुनौती क्या है? चुनाव के दौरान आपको अपने दोस्तों से क्या मदद मिल रही है? क्या इस वर्ष चुनाव प्रक्रिया में क्या कोई बदलाव हुए हैं?
उत्तर : मेरी दुअल डिग्री है, तो अकादमिक तौर से मेरा तीसरा साल सबसे ज़रुरी और भारी रहता हें क्यूंकि मुझी अपने दोनों डिग्रीयोन के बारे मे पढ़ना रहता है। पढाई में मेरे दोस्त मेरी काफ़ी मदद कर रहें हैं – परीक्षा के लिए पढ़ा देते हैं; नोट्स, आदि दे देते हैं और इस प्रकार की काफ़ी चीज़ों में मदद कर देते हें। साथ ही चुनाव में भी मेरी सहायता कर रहें हैं और उनके सहयोग के बिना शायद मैं चुनाव ही नही लड़ता।

प्रश्न 6: पिछले साल हमें फेस्ट के वित्तीय मामलों में गलतियाँ देखनी को मिली थी। आने वाले फ़ेस्ट में इसका ध्यान कैसे रखा जा सकता है?
उत्तर : पिछले साल वित्तीय एवं इन्वेंटरी से जुड़ी गलतियाँ काफ़ी थी। कही कोई खाताबही नही थी कि कोनसे क्लब ने क्या क्या सामान लिया और क्या लोटाया। इसलिए जबसे मैंने चुनाव लड़ने का फैसला किया है, मैं तब से Costaa एवं CRC से संपर्क में हूँ और सुझाव ले रहा हूँ क्यूंकि उन्हें इस विषय में ज़्यादा अनुभव हैं। इन्वेंटरी का डिजिटलीकरण करने के बारे में तो मैंने अपने घोषणा पत्र में भी उल्लेख किया हैं। साथ ही फर्जी शाइनिंग रोकने एवं सभी छात्रों को सहयता पहुचाने के लिए हम आने के समय को पहले से ही रद्द फॉर्म घोषित कर देंगे।

प्रश्न 7: हॉस्टल में अभी भी साफ़-सफाई तथा पानी की कमी एक समस्या है। क्या इसका समाधान है या फिर यह वर्षों से चला आ रहा एक चुनाव के वोट बैंक का तरीका है?
उत्तर :मेरे घोषणापत्र में इस विषय का उल्लेख भी हैं । कैंपस मे एक बायोगेस प्लांट बना सकते हैं और इस प्लांट को बनाने की प्रेरणा मुझे IIT Kharagpur से मिली हैं। अगर वहाँ बन सकता हैं तो यहाँ क्यूँ नही? प्लांट बनाने का खर्चा ज्यादा नही हैं - कुछ 18 लाख लगे थे यह प्लांट IIT में स्थापित करने में और उसके साथ करीब 1000 sq. feet की जगह में यह प्लांट बन सकता हैं। इससे विद्युत् की समस्या भी कम होगी एवं कैंपस भी बेहतर बनेगा। पानी की समस्या के लिए हम जल छाजन कर सकते हैं खासकर नए बन रहे होस्टल्स में क्यूंकि पानी की समस्या सिर्फ कैंपस की ही नही पूरे पिलानी की हैं तो इसके लिए समाधान भी बेहतर करना होगा।

हिंदी प्रेस क्लब

जिन्दा रहे चाहे जान जाएँ,
वोट उसी को दो जो काम आएँ.

हार्दिक

ऋत्विक, सर्वेश, आर्ची, निशिका, भव्य, देव

अवि, वैष्णवी, अनुज, विदित, अमृत, मल्लिका, सर्वाक्ष,
पुलकित, कामरा, वल

हर्ष, मोक्ष, कृष, अभिन्नआशीष, विशेष,
प्रिशा, कविश, कौस्तुभ, नमः, प्रीतवर्धन, रिया,
एकांश, अनुष्का, केदार, दिव्यम, दिवाकर,
भाविनी, राहुल, ऋषव, आदित्या